

---

Bharatiya Vayam

भारतीया वयम्

Document Information

---

Text title : Bharatiya Vayam 2

File name : bhAratIyAvayam2.itx

Category : misc, sanskritgeet, hkmeher

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : Harekrishna Meher meher.hk at gmail.com

Transliterated by : Harekrishna Meher

Proofread by : Harekrishna Meher

Description/comments : Sanskrit Gūti-Kūvya 'Pushpajali-Vicitra'

Acknowledge-Permission: Dr. Harekrishna Meher

Latest update : November 11, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 10, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

भारतीय वयम्



भारतीय वयम्, भारतीय वयम् ;  
भारतं नो मातृ-भूमी माननीया स्वयम् ।  
भारतीय वयम् ॥ (ध्रुवम्) ॥

जयतु जम्बूद्वीप-तिलकं भास्वरम्,  
जयतु हिन्दुस्थानमतुलं सुन्दरम् ।  
कर्म-भूमी रत्न-कम्पा सत्फला,  
स्वर्ग-सुगुणा कला-निपुणा पुष्कला ।  
वैरि-दलने वीर-सेना विजयते निर्भयम् ।  
भारतीय वयम् ॥ १ ॥

अहिंसाया दिव्य-वाणी शंसिता,  
भ्रातृ-मैत्री हृदय-कमलोद्भासिता ।  
यत्र वार्त्ता मानविकता कीर्त्तिदा,  
ऐक्य-मन्त्रं वहति महतां संविदा ।  
त्रिरङ्गा नो मङ्गलमयी चिरं तनुते जयम् ।  
भारतीय वयम् ॥ २ ॥

आत्मिकं नो बन्धनं सद्भावनम्,  
शान्ति-मधुरं भवतु जगतां पावनम् ।  
मातृ-चरणे भक्ति-पूताराधना,  
अभीष्टा नो जयतु राष्ट्रिय-भावना ।  
देश-रक्षा-विधौ दक्षा अद्वितीया वयम् ।  
भारतीय वयम् ॥ ३ ॥

- गीति-रचना : डॉ हरेकृष्ण-मेहेरः



*Bharatiya Vayam*

pdf was typeset on November 10, 2023



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

